No. of Printed Pages : 3

BEYE–022

बी. एस-सी. (व्यावहारिक विज्ञान-ऊर्जा)

(बी. एस-सी. ए. ई. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.ई.वाई.ई.-022 : संस्कृत भाषा और सम्प्रेषण

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 70

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* **दो** *खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड-क

(व्याख्या आधारित एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की व्याख्या कीजिए : 10

(i) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं, हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः।
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्द्धजाः।।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते।
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं, वाग्भूषणं भूषणम्।।

(ii) कुले प्रसूतिः प्रथमस्य वेधसः त्रिलोकसौन्दर्यमिवोदितं वपुः।
अमृग्यम् ऐश्वर्यसुखं नवं वयः तपः फलं स्यात् किमतः परं वद।।

(iii) माता शत्रुः पिता वैरी येन वालो न पाठितः।
न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा।।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 10

(i) व्याख्या कीजिए :
इह खलु संवत्सरं षडङ्गम् ऋतुविभागेन विद्यात्। तत्र आदित्यस्य उद्गमनम् आदानं च। त्रीन् ऋतून् शिशिरादीन् ग्रीष्मान्तात् व्यवस्येत्, वर्षादीन् पुनः हेमन्तान्तात् दक्षिणायनं विसर्गं च।।

(ii) सामाजिक विज्ञान की दृष्टि से यक्ष-युधिष्ठिर संवाद का महत्व लिखिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. वर्णोत्पत्ति की प्रक्रिया तथा संस्कृत वर्णमाला को लिखिए। 10
4. राम शब्द के प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया विभक्ति में रूप लिखिए। 10
5. करण तथा अपादान कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में संधि कीजिए : 10

(i) इति + आदि

(ii) जगत् + नाथः

(iii) तथा + एव

(iv) रामः + अवदत्

(v) ने + अनम्

(vi) भानु + उदयः

7. निम्नलिखित में से कोई **पाँच** धातु तथा प्रत्यय को जोड़कर बनने वाले पद लिखिए : 10

(i) चुर् + घञ् =

(ii) कृ + तुमुन् =

(iii) कृ + ण्वुल् (अक) =

(iv) पठ् + क्त्वा =

(v) चि + ल्युट् (अन) =

(vi) गम् + क्त्वा =

8. वाक्य की परिभाषा तथा स्वरूप लिखिए। 10

9. भारतीय संस्कृति का परिचय दीजिए। 10

10. संस्कृत पद्यकाव्य के रूप में पठित 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य का सार लिखिए। 10

11. आयुर्वेद का महत्व लिखिए। 10

× × × × ×